Literacy for a Billion

Movie: Paheli
Year: 2005
Song: Phir Raat Kati
Lyricist: Gulzar

फिर रात कटी
और दिन निकला
जब दिन निकला
तो रात चढ़ी
फिर प्रीत की
ऐसी डींग बढ़ी
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

ऊँटनी पर जब
चाँद चले
और चाँद के पीछे
रात चले
और तारों की
बारात चले
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

हर रात कहानी चलती है
कभी हवा सुनाती है बातें
कभी बात ज़बानी चलती है
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

फिर रात कटी
और दिन निकला
जब दिन निकला
तो रात चढ़ी
फिर प्रीत की
ऐसी डींग बढ़ी
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

देह की रेती उड़ जावेगी
प्रीत सदा रह जावेगी
अरे समय गुजर जावेगा बाबू
लोक कथा रह जावेगी

हो ...
देह की रेती उड़ जावेगी
प्रीत सदा रह जावेगी
अरे समय गुजर जावेगा बाबू
लोक कथा रह जावेगी

बात पुरानी हो जावेगी
नाम सदा रह जावेगा
अरे म्हारो तन में
बाल हों जब तक
उनका नाम रहेगा

फिर रात कटी
और दिन निकला
जब दिन निकला
तो रात चढ़ी

PlanetRead

Literacy for a Billion

फिर प्रीत की
ऐसी डींग बढ़ी
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ
अरे बहुत बरस
जब गुजर गए
और लाख चाँद
जब उतर गए
पीपल पर एक
पड़ाव हुआ
और फिर जन्मे
का चाव हुआ
हे... बहुत बरस
जब गुजर गए
और लाख चाँद
जब उतर गए
पीपल पर एक
पड़ाव हुआ
और फिर जन्मे
का चाव हुआ
तब से हर
प्रेम कहानी में
वो आते हैं
और जाते हैं
म्हारो तन में
बाल हों जब तक
उनका नाम रहेगा

फिर रात कटी
और दिन निकला
जब दिन निकला
तो रात चढ़ी
फिर प्रीत की
ऐसी डींग बढ़ी
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

ऊँटनी पर जब
चाँद चले
और चाँद के पीछे
रात चले
और तारों की
बारात चले
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

हर रात कहानी चलती है
कभी हवा सुनाती है बातें
कभी बात ज़बानी चलती है
रब राखा बेलिया
ए ए ओ
ए ए ओ

ए ए ओ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.